अक्षरों का महत्व

पाठ का सार / प्रतिपाद्य -

प्रस्तुत पाठ 'अक्षरों का महत्व' के लेखक 'गुणाकार मुले' जी हैं। पाठ में अक्षरों के महत्व के साथ-साथ अक्षरों के इतिहास पर भी प्रकाश डाला गया है। अक्षरों का इतिहास बहुत विस्तृत है। मानव जीवन में अक्षरों का महत्वपूर्ण योगदान है। अक्षरों के माध्यम से ही हम एक दूसरे के भावों तथा विचारों को समझ तथा व्यक्त कर सकते हैं।

हमारी धरती लगभग पाँच अरब साल पुरानी है। धरती पर जीव जंतुओं की उत्पत्ति दो-तीन अरब साल पहले हुई। इसके काफी साल पश्चात मनुष्य की उत्पत्ति हुई। धीरे-धीरे जैसे-जैसे मनुष्य का विकास हुआ मनुष्यों को एक दूसरे के समक्ष अपने मनोभावों को प्रकट करने की आवश्यक्ता हुई। सबसे पहले भावों को व्यक्त करने का माध्यम चित्रों को बनाया गया। इसके बाद धीरे-धीरे अक्षरों की खोज की गई। अब मनुष्य लिखकर अपने भावों को व्यक्त करने लगे। समय के साथ-साथ अक्षरों के रूप तथा उनकी भाषा में काफी परिवर्तन हुए। अक्षरों की खोज होने के पश्चात इससे मानव सभ्यता को लाभ मिला। हमें इतिहास की जानकारी मिलने लगी। एक पीढी के ज्ञान को संचित कर दूसरी पीढी तक पहुँचाना सरल हो गया। इस प्रकार मानव जाति के विकास में अक्षरों का बहुत बड़ा योगदान है।

आवश्यक जानकारियाँ -

(1) हमारी धरती लगभग पाँच अरब साल पुरानी है।
(2) लगभग तीन अरब साल पहले धरती पर जीव जंतुओं की उत्पत्ति हुई थी।
(3) इसके बाद लगभग करोड़ों साल तक जीव जंतु रहे।
(4) धरती पर मनुष्य की उत्पत्ति लगभग पाँच लाख साल पहले हुई।
(5) दस हजार साल पहले मनुष्यों ने गाँव बसाकर रहना प्रारम्भ किया।
(6) सबसे पहले चित्रों के माध्यम से मनुष्यों ने अपने विचारों को व्यक्त करना आरम्भ किया। इसके बाद धीरे-धीरे अक्षरों का आविष्कार हुआ।

पाठ का उद्देश्य -

(1) पाठ के माध्यम से अक्षरों के इतिहास पर प्रकाश डाला गया है।
(2) पृथ्वी के इतिहास से संबंधित जानकारी दी गई है।

पाठ का संदेश -

प्रस्तुत पाठ के माध्यम से भाषा के लिखित रूप के महत्व को बताया गया है। अक्षरों के माध्यम से हम अपने ज्ञान को दूसरों तक तथा आने वाली पीढी तक पहुँचा सकते हैं।